वशि्व हदिी दविस

प्रतविर्ष 10 जनवरी को दुनयाि भर में हदिी भाषा को बढ़ावा देने हेतु ‘वशि्व हदिी दविस’ (WHD) मनाया जाता है।

- इस वर्ष (2022) वशि्व हदिी दविस के अवसर पर यूनेस्को के ‘वशि्व धरोहर केंद्र’ (WHC) ने अपनी वेबसाइट पर भारत के वशि्व धरोहर स्थलों के हदिी ववरिण प्रकाशति करने पर सहमतव्यिक्त की है।
- ‘वशि्व धरोहर केंद्र’ की स्थापना वर्ष 1992 में वशि्व वरिासत से संबंधति सभी मामलों के समन्वय हेतु की गई थी। यह केंद्र वशि्व वरिासत समतिि और उसके ब्यूरो के वार्षकि सत्र का आयोजन करता है तथा साइट के नामांकन में राज्यों के दलों को सलाह प्रदान करता है।

प्रमुख बदिु

- **वशि्व हदिी दविस**
  - इस दविस को पहली बार वर्ष 2006 में 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में आयोजति पहले ‘वशि्व हदिी सम्मेलन’ की वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में मनाया गया था। यह ‘राष्ट्रीय हदिी दविस’ से अलग है।
  - यह दविस दुनयाि के वभिन्नि हस्सिों में स्थति भारतीय दूतावासों द्वारा भी मनाया जाता है।
  - वशि्व हदिी सचविालय भवन का उद्घाटन वर्ष 2018 में मॉरीशस में कयाि गया था।
- **राष्ट्रीय हदिी दविस:**
  - देवनागरी लपिमिें हदिी को 14 सतिंबर, 1949 को भारत गणराज्य की आधकिारकि भाषा के रूप में अपनाया गया था। इसलयि हर वर्ष 14 सतिंबर को हदिी दविस के रूप में मनाया जाता है।
    - काका कालेलकर, मैथलिी शरण गुप्त, हजारी प्रसाद द्ववदिी, सेठ गोवदिदास ने हदिी को राजभाषा बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दयाि।
  - हदिी आठवीं अनुसूची में शामलि भाषा भी है।
  - अनुच्छेद 351 'हदिी भाषा के वकिास के नर्दिेश' से संबंधति है।
- **हदिी को बढ़ावा देने हेतु सरकार की पहल:**
  - वर्ष 1960 में केंद्रीय हदिी नदिेशालय की स्थापना भारत सरकार के शक्षिा मंत्रालय के तहत की गई थी।
  - भारतीय सांस्कृतकि संबंध परषिद (Indian Council for Cultural Relations- ICCR) ने वदिेशों में वभिन्नि वदिेशी वशि्ववद्यिालयों/संस्थानों में 'हदिी पीठ' की स्थापना की है।
  - लीला (LILA)-राजभाषा (लर्नगि इंडयिन लैंग्वेजे थ्रू आर्टफिशियिल इंटेलजिेंस) हदिी सीखने के लयि एक मल्टीमीडयाि आधारति स्व-शक्षिण अनुप्रयोग है।
  - ई-सरल हदिी वाक्य कोष (E-Saral Hindi Vakya Kosh) और ई-महाशब्दकोश मोबाइल ऐप (E-Mahashabdkosh Mobile App), राजभाषा वभिाग की दो पहलें है जनिका उद्देश्य हदिी के वकिास के लयि सूचना प्रौद्योगकिी का उपयोग करना है।
  - राजभाषा गौरव पुरस्कार और राजभाषा कीर्तपिुरस्कार हदिी में योगदान हेतु प्रदान कयि जाते हैं।

हदिी भाषा:

- हदिी भाषा को अपना नाम **फारसी शब्द ‘हदि’ से प्राप्त हुआ है, जसिका अर्थ है 'सधि नदी** की भूम'ि। 11वीं शताब्दी की शुरुआत में तुर्की के आक्रमणकारयिों ने सधि नदी के आसपास के क्षेत्र की भाषा को हदिी यानी 'सधि नदी की भूमकिी भाषा' नाम दयाि।
- यह भारत की राजभाषा है, अंग्रेजी दूसरी अन्य राजभाषा है।
- भारत के बाहर कुछ देशों में भी हदिी बोली जाती है, जैसे मॉरीशस, फजिी, सूरीनाम, गुयाना, त्रनिदिाद और टोबैगो तथा नेपाल में।
- हन्दिी अपने वर्तमान स्वरूप में वभिन्नि अवस्थाओं के माध्यम से उभरी है जसिके दौरान इसे अन्य नामों से जाना जाता था। पुरानी हदिी का सबसे प्रारंभकि रूप **अपभ्रंश (Apabhramsa)** था। **400 ईस्वी में कालदिास ने अपभ्रंश में वक्रिमोर्वशयिम** नामक एक रोमांटकि नाटक लखिा।
- आधुनकि देवनागरी लपि11वीं शताब्दी में अस्तत्तिव में आई।

स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-hindi-day